केन्द्रीय विद्यालय संगठन□एरणाकुलम संभाग

आदर्श प्रश्न पत्र – 2012□13

विषय□हिन्दी □केन्द्रिक□

उत्तर संकेत

कक्षा□बारहवीं पूर्णांक□100

आवश्यक निर्देश ः

- ये केवल उत्तर संकेत हैं□अध्यपक अपनी विवेचना के अनुसार उचित उत्तर के लिए उचित अंक दे सकते हैं।
- भाषा की शुद्धता तथा अभिव्यक्ति क्षमता को ध्यान में रखकर मूल्यांकन करें।

खण्ड क

I) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए□–

क□जो आधियों□जीवन की कठिनाइयों□के सामने भी मुस्कुराते हैं। 1

ख□उनके लिए जो मुश्किलों के सामने घबरा जाते हैं और पीछे हट जाते हैं। 1

ग□जब पथ के कांटों □जीवन की कठिनाइयों□की पीड़ा को क्षण भर भी मन में अनुभव न करें। 1

घ□मनुष्य के उत्साह और धैर्य के सामने। 1

च□जिन्दगी के असफलता और मुश्किलों का सामना धैर्यपूर्वक करने की प्रेरणा। 1

II) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ः —

1□'आलोचना' या कोई उचित शीर्षक 1

2□हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जहा□परफेक्शन का बोलबाला है। हममें से प्रत्येक किसी न किसी के प्रति किसी हद तक जवाबदेह है। 1

3□एक तरफ आप इसके आधार पर अपने झूठे अहं को दरकिनार कर गहरी समझ विकसित कर सकते हैं तो एक तरफ आलोचना को दिल पर ले संबंधित शख्स से अपने संबंध बिगाड़ सकते हैं। 2

4□भले ही आलोचना कितना ही छोटा क्यों न हो जाए लेकिन दूसरे को पूरे ध्यान या गंभीरता के साथ सुनें। आलोचना रूपी सलाह को सिरे से खारिज करने से बेहतर होगा कि जो सही हो□उसे आत्मसात करें। उस स्वीकार कर स्वयं का विकास करें। 2

5□दिमाग हमेशा खुला रखने की जरूरत है। किसी ने कोई बात की□जो आलोचना है□तो तुरन्त ही किसी निर्णय पर पहुचने की बजाय उस बात को गंभीरता से मनन करें। ईमानदारी से विचार करें कि कही गई बात में कहीं भी कोई रत्ती भर भी सच्चाई है। 2

6□दो तरह की होती है। एक का मकसद आपकी कमियों को सामने ला उसे दूर करना होता है□जबकि एक महज ईर्ष्यावश या पूर्वाग्रह से ग्रसित होती है। 2

7□क्योंकि नकारात्मक आलोचना महज ईर्ष्यावश या पूर्वाग्रह के कारण होती है□इससे व्यक्तित्व का विकास नहीं होता□आत्मविश्वास टूटता है। 2

8□क□उपसर्ग □परि ख□प्रत्यय □दार□ई ग□उपसर्ग □दर घ□प्रत्यय □इत □□4□ 2

9□ क□आवश्यकता ख□व्यक्ति □□2□ 1

खण्ड ख

III) किसी एक विषय पर निबंध

भूमिका/प्रस्तावना	**1**
विषय प्रतिपादन	**2**
भाषा की शुद्धता	**1**
उपसंहार	**1**

IV) पत्र लेखन

प्रारंभ एव समापन की औपचाकिताए	**2**
विषय–प्रस्तुति	**2**
भाषा की शुद्धता	**1**

V) अ) 1) विचारपरक लेखन जिसमें स्तंभकार समसामयिक विषयों पर नियमित रूप से अपने समाचार पत्र में लिखता है। जनमत के लिए दर्पण का कार्य **1**

2) जहा पत्रकार मौलिक शोध और छानबीन द्वारा ऐसी सूचनाए तथा तथ्य उजागर करता है जो सार्वजनिक रूप से पहले उपलब्ध नहीं थे। **1**

3) उसमें छपे हुए शब्दों का स्थायीपन लिखित भाषा का विस्तार लंबे समय तक सुरक्षित चिंतन विचार और विश्लेषण का माध्यम **1**

4) जो संवाददाता अपनी रुचि और दिलचस्पी के अनुसार केवल अपने क्षेत्र विशेष से संबंधित समाचार लिखता है उसे 'बीट रिपोर्टिंग' कहते है। **1**

5) समाचार पत्रों में किसी विशेष लेखन के लिए कार्य करने वाले पत्रकारों के समूह के निश्चित समय को 'डेस्क' कहते हैं। **1**

आ) आलेख

भूमिका/प्रस्तावना	**1**
विषय प्रतिपादन	**2**
भाषा की शुद्धता	**1**
उपसंहार	**1**

VI) फीचर

भूमिका/प्रस्तावना	**1**
विषय प्रतिपादन	**2**
भाषा की शुद्धता	**1**
उपसंहार	**1**

<u>खण्ड ग</u>

VII) निम्नलिखित पाद्यांशों में से <u>किसी एक</u> को पढ़कर उसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए —

2×4= 8

क)

1) जल प्लावन से बड़े लोगों के महल और खड़ी फसलें नष्ट हो जाते हैं जबकि धरती की कोख में सोए बीज अनुकूल परिस्थितिया पाकर खुश हो जाते हैं। ठीक इसी प्रकार क्रांति से शोषकों का नाश होता है और शोषितों को फलने फूलने का अवसर मिलता है।

2) शोषक पूंजीपतियों का प्रतीक है। क्रांति के डर से भयभीत। धन संपत्ति के लुटने का भय। सर्वनाश का भय।

3. पंक्ति शोषितों का प्रतीक। निम्न वर्ग के पीड़ित लोग ही क्रांति घटित करते हैं।

4. कीचड़ में उत्पन्न होने के बावजूद प्रफुल्लित जलज प्रतिकूल परिस्थितियों में रहने वाले निम्न वर्ग के लोगों का प्रतीक हैं जो रोग और शोक में मुस्कुराना सीख गए हैं।

अथवा

ख)

1. प्रिय के साथ रिश्ता समझ नहीं पा रहे हैं। जितना भूलने की कोशिश उतना की करीब पाना। एक प्रेम का निर्झर जो रह रह कर भिगोता है।

2. कवि अपने हृदय से जितना भी प्रेम उड़ेलता है वह समाप्त नहीं होता। उसका हृदय प्रेम से फिर फिर भर आता है। प्रिय के स्नेह को जितना भुलाने का प्रयत्न उतना ही स्नेह जल का छलकना

3. कवि के हृदय के भीतर वह प्रिय का प्रेम है तो आँखों के सामने प्रिय का मुस्कुराता हुआ चेहरा है।

4. प्रिय को भूलने का दुख दक्षिणी ध्रुव की अमावस जैसा गहरा घना और अंधकारमय होगा। प्रिय की निरंतर आत्मीयता की कोमलता की छटपटाहट से मुक्ति के लिए प्रिय को भूलने का दंड़ चाहते हैं।

VIII) निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 2×3 = 6

क)

1. यमक अलंकार। 'और' शब्द का दो अर्थ — एक अर्थ है 'तथा', दूसरा अर्थ है 'भिन्न'। कवि की चाल संसार की चाल से अलग। कवि भावनाओं को और संसार दुनियादारी को निभाते हैं।

2. कवि अपनी कल्पना में रोज़ एक आदर्श समाज और संसार की रचना करते हैं। लेकिन उसे साकार न होते देखकर उसे मिटा डालते हैं।

3. कवि की चाल संसार की चाल से अलग। कवि भावनाओं को और संसार दुनियादारी को निभाते हैं। संसार धन वैभव जुटाने में व्यस्त हैं जबकि कवि को सुख समृद्धि की कोई चाह नहीं है।

अथवा

ख)

1. लक्ष्मण के मूर्छित होने पर राम का विलाप। आँखों से आँसुओं की धारा। शोक पीड़ित होकर विचलित। प्रभु का मनुष्य सहज विलाप देखकर वानर समूह शोक से व्याकुल।

2. छंद - सोरठा। भाषा - अवधी

3. शोक और करुणा की धारा के मध्य हनुमान का संजीवनी बूटी लेकर प्रकट होने से शोक का वातावरण वीरता से ओतप्रोत हो गया।

IX) निम्नलिखित प्रश्नों मे से *किन्ही दो* प्रश्नों के उत्तर लिखिए — 2+2 = 4

1. बात को प्रभावशाली बनाने के चक्कर में भाषा को जटिल बना और अलंकृत करने का प्रयत्न जिससे मुख्य बात अस्पष्ट और प्रभावहीन बन गया।

2. चैनल के लोग कारोबारी दबाव के कारण अपने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संवेदनहीन। जानबूझकर दूसरों के जख्म को कुरेदना। अपाहिजों की मजबूरी और दीनता को बेचकर अपना स्वार्थ सिद्ध करना।

3. लीपा हुआ चौका। काली सिल। स्लेट गाछ। की सुबह का आरम्भ मंदिर में बजने वाले शंख से। फिर राख से लीपकर जलाया जाने वाला चौका। फिर मसाला कूटने वाला काला सिल। पाठशाला की तैयारी में काले स्लेट पर चाक से लिखने वाले बच्चे। फिर नदी में नहाकर शरीर को शुद्ध करने वाले लोग—ये गतिशील शब्दचित्र एक गाछ के सुबह की है।

X) निम्नलिखित गद्यांशों में से *किसी एक* को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए — **2×4= 8**

क)

1) दुख हो या सुख, वह हार नहीं मानता। न ऊधो का लेना, न माधो का देना। कठोर परिस्थितियों में फक्कड़ाना मस्ती, संघर्षशील और अजेय

2) शिरीष उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमण्डल से अपना रस खींचता है। लेखक इस कथन से सहमत हैं क्योंकि शिरीष भयंकर लू के समय कोमल तंतुजाल और सुकुमार केसर को उगा सकता था।

3) कबीर शिरीष के समान मस्त और बेपरवा, पर सरस और मादक थे। वे भयंकर गरीबी, संसार के लोगों का विरोध, चारों ओर फैली अराजकता जैसे कठोरतम संघर्षों के बीच रहकर सरस कविताएं लिखते रहे।
कालीदास शिरीष के समान अनासक्त योगी रहे होंगे। जो बाहरी सुख-दुख से प्रभावित हुए बिना फक्कड़ाना मस्ती से जी सकता है, मेघदूत का काव्य उसी प्रकार के अनासक्त अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है।

4) जो कवि अनासक्त रह सकता है, जो फक्कड़ बन सकता है, जो किए कराए का लेखा-जोखा मिलाने में उलझता नहीं है, जो हानि लाभ के हिसाब किताब में न पड़कर समपद्दण भाव से रचना कर्म में लगा रहता है

अथवा

ख)

1) सैयद वायदा करके झुठलाते नहीं, जान देकर भी वायदा पूरा करते हैं

2) भावना से अभिभूत सफिया भाई से यह तर्क-वितर्क कर रही थी कि मुहब्बत का तोहफा ले जाने के लिए कस्टम वाले मना नहीं करेंगे। लेकिन गुस्सा उतरने पर उसके स्थान पर बुद्धि धीरे-धीरे हावी होने लगी तो उसे लगा कि उसके भाई का कथन सही है और नियमानुसार नमक ले जाना असंभव है।

3) नमक की पुड़िया को कीनुओं की टोकरी में सबसे नीचे रख लिया जाए तो इतने कीनुओं के ढेर में उसे कोई नहीं देखेगा, आते वक्त कस्टमवाले फलों की टेकरी नहीं देख रहे थे।

4) सफिया के मन में नमक को ले जाने के तरीके को लेकर अंतर्द्वन्द्व था कि उसे कस्टमवालों को दिखाकर ले जाए या छुपाकर ले जाए

XI) निम्नलिखित में से *किन्ही चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए — **3×4= 12**

1) यह विभाजन अस्वाभाविक, मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं, व्यक्ति की क्षमता की उपेक्षा, जन्म से पहले ही पेशे का निर्धारण, जीवन भर एक व्यवसाय से बंधा रहना

2) देवताओं से कुछ पाने के लिए पहले कुछ दान और त्याग देना पड़ता है, पानी की बुवाई, यदि कुछ चाहिए तो उस वस्तु का त्याग जिसकी हमें भी जरूरत

3) आँखों की राह काम करता है, आकर्षक वस्तुओं के वश में, लालच में आकर गैर जरूरी चीज़ों को खरीदना। जादू के उतरने पर पता चलता है कि आराम देने वाली वस्तुएं आराम में खलल ही डालती है।

4) भक्तिन के आ जाने से खाना-पहनना देहाती ढर्रे में बदल गया। मकई के दलिए के साथ मट्ठा पीना, बाजरे के तिल वाले पुए, ज्वार के भुने हुए भुट्टे की खिचड़ी, सफेद महुए की लपसी आदि खाना

5) कुश्ती का दाँव-पेंच किसी गुरु से नहीं सीखा, दंगल में चाँद सिंह से लड़ते हुए जब वह हार रहा था, तब उसे लगा कि एक ढोलक अपनी आवाज़ से उसे लड़ने के निर्देश दे रहे हों। उन निर्दोशों का पालन कर वह कुश्ती जीत जाता है।

XII) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'वितान भाग-2' के आधार पर लिखिए — **2+3**

1. मराठी अध्यापक सौंदलगेकर कक्षा में सस्वर कविता पाठ करते, लय, छंद, यति, गति, आरोह, अवरोह का ज्ञान कराते— इससे कविता के प्रति रुचि उत्पन्न हुई। प्रसिद्ध कवियों के जीवन और साहित्य के बारे में चर्चा और स्वयं उनकी रचना पढ़कर लेखक को लगा कि कवि, भी हाड़, मांस वाला साधारण मनुष्य है। जब मास्टर के घर की लता और उस पर लिखी मास्टर की कविता पढ़ी, तब उन्हें लगा कि उनके आसपास कितने दृश्य हैं जिसपर कविता लिखी जा सकती है।

2. वहां की वास्तुकला तथा नियोजन, धातु व पत्थर की मूर्तियां, मिट्टी के बर्तन और उन पर बने चित्र, वनस्पति और पशु, पक्षियों की छवियां, मुहरें, उन परउत्कीर्ण आकृतियां, खिलौने, केश, विन्यास, आभूषण, सुघड़ लिपि आदि इस सभ्यता के सौन्दर्यबोध की ओर संकेत करता है। भव्य राजमहल, मंदिर या समाधियां नहीं, आकार की विशालता या भव्यता नहीं, प्रभुत्व या दिखावे का तेवर नहीं

XIII) 'वितान भाग-2 के आधार पर मूल्यपरक प्रशन —

1. पढ़ने की उत्कट इच्छा, पिता का कहा मानने को तत्पर, काम करने में हिचकिचाहट नहीं **1**

2. पढ़ना, लिखना बेकार समय गंवाना, गांव के लोगों की पढ़ाई का अंत खेत में ही, पुत्र का स्कूल जाना पिता की ऐय्याशी में बाधा **2**

3. मुक्त उत्तर संभव। अपनी विवेचना के अनुसार उचित उत्तर लिए अंक दें। **2**

XIV) किसी एक का उत्तर

ऐन ने अपनी डायरी द्वितीय विश्व युद्ध के भयावह समय में लिखा था। जर्मनी ने होलण्ड पर कब्जा और ब्रिटेन उसे मुक्त कराने में प्रयत्नशील, यहूदियों पर भयंकर अत्याचार, जानवरों के समान अमानवीय जीवन, यहूदियों को पकड़कर यातना शिविर में डालना, शोषण के भय से यहूदियों का पालायन और अज्ञातवास में रहना, युद्ध के दौरान खाना, पीना, राशन, बिजली का अभाव, चोर, उच्चकों और सेंधमारों का डर — इस तरह यहूदियों पर ढाए गए जुल्मों का जीवंत दस्तावेज़

अथवा **5**

संयुक्त परिवार प्रथा समाप्त, गृहस्वामी का अपने अपको उपेक्षित अनुभव करना, पुत्र अपनी कमाई पर केवल अपना अधिकार मानना, बच्चों का अपना पेशा चुनने के बारे में मां, बाप का सलाह न लेना, लड़कियों द्वारा शादी का निर्णय स्वयं लेना, पाश्चात्य अनुकरण करके असभ्य वस्त्र पहनना, पत्नी द्वारा पति का साथ छोड़ बच्चों की तरफदारी करना, रिश्तेदारों से मेल जोल को अपमान समझना, स्वार्थ लक्ष्य की पूर्ति के लिए संबंध बनाए रखना आदि वर्तमान समय में परिवार की संरचना से जुडे अनुभव हैं

पुरानी और आधुनिक संस्कारों में समंजस्य की जरूरत